

बस्टर्ड संरक्षण का अगला चरण

चर्चा में क्यों?

हाल ही में [प्रयावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय \(MoEFCC\)](#) ने [ग्रेट इंडियन बस्टर्ड \(Great Indian Bustard- GIB\)](#) तथा [लेसर फ्लोरकिन](#) के संरक्षण के अगले चरण के लिये 56 करोड़ रुपए मंजूर किये हैं।

मुख्य बद्दि:

- इस योजना में आवास विकास, [सूव-स्थाने संरक्षण](#), संरक्षण प्रजनन केंद्र का निर्माण कार्य पूरा करना, बंदी-प्रजननि पक्षियों को मुक्त करना तथा अन्य गतिविधियाँ शामिल हैं।
- [राष्ट्रीय CAMPA \(प्रतिप्रक वनरोपण निधि प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण\)](#) ने [भारतीय वन्यजीव संस्थान \(Wildlife Institute of India's- WII\)](#) के प्रस्ताव की सफारशि शासी निकाय को की थी।
- इस प्रजाति को पुनर्जीवित करने की योजना सर्वप्रथम वर्ष 2013 में [राष्ट्रीय बस्टर्ड रकिवरी योजना](#) के तहत शुरू की गई थी, जिसने बाद में [2016 में बस्टर्ड रकिवरी प्रोजेक्ट](#) को जन्म दिया।
- बाद में जुलाई 2018 में MoEFCC, राजस्थान वन विभाग और WII के बीच एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किये गए।
- तीनों पक्षों द्वारा संचालित परियोजना के हासिसे के रूप में दो GIB संरक्षण प्रजनन केंद्र और एक लेसर फ्लोरकिन केंद्र क्रमशः राजस्थान के सैम, रामदेवरा तथा सोरसन में कार्य कर रहे हैं।
- सैम और रामदेवरा की टीम ने इस प्रजाति की मूल आबादी (Founder Population) के पुनः वन्यीकरण हेतु वनों से ग्रेट इंडियन बस्टर्ड/गोडावण के अंडों को एकत्र करके प्रजनन केंद्र में उनका कृत्रिम रूप से उत्थान एवं उद्भवन (Incubated and Hatched) कर संवर्द्धन किया गया।
- वर्तमान में वनों में लगभग 140 GIB और 1,000 से भी कम लेसर फ्लोरकिन शेष हैं।

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड



THE GREAT INDIAN BUSTARD

GIB has been put in the Red List of the International Union for Conservation of Nature

DID YOU KNOW?

The Great Indian Bustard was proposed as a candidate for the National Bird of India and was under consideration.



The bird is hunted for its meat in Pakistan

PAKISTAN



It migrates from Rajasthan to Pakistan

THREATS TO THE BIRD

- Annual and perennial non-timber crops
- Renewable energy
- Transportation and power lines
- Human intrusions and disturbance
- Invasive and other problematic species, genes & diseases



2011

The year the species was enlisted in the critically endangered category

Height
3.3ft tall
Weight
18 kg

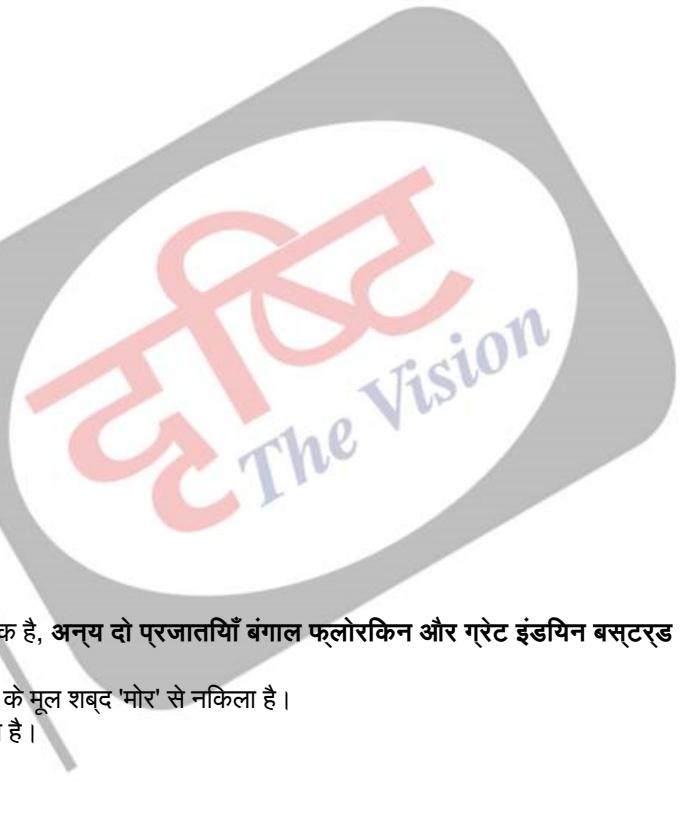
150

The approx population of the species in 2018



- ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (*Ardeotis nigriceps*) राजस्थान का राजकीय पक्षी है और भारत का सबसे गंभीर रूप से संकटापन्न पक्षी माना जाता है।
- यह घास के मैदान की प्रमुख प्रजातियां जाती हैं, जो चरागाह पारस्थितिकी का प्रतिनिधित्व करती हैं।
- ये अधिकांशतः राजस्थान और गुजरात में पाए जाते हैं। महाराष्ट्र, कर्नाटक एवं आंध्र प्रदेश में यह प्रजातिकम संख्या में पाई जाती है।
- सुरक्षा की स्थिति:
- अंतर्राष्ट्रीय प्रकृतिसंरक्षण संघ की रेड लिस्ट: गंभीर रूप से संकटग्रस्त
- वन्यजीवों एवं वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन (CITES): प्रशिष्ट-1
- प्रवासी प्रजातियों के संरक्षण पर अभियान (CMS): प्रशिष्ट-1
- वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972: अनुसूची-1

लेसर फ्लोरकिन (*Syphoetides indicus*)



- यह भारत में पाई जाने वाली तीन स्थानकि बस्टर्ड प्रजातियों में से एक है, अन्य दो प्रजातियाँ बंगल फ्लोरकिन और ग्रेट इंडियन बस्टर्ड हैं।
- स्थानीय भाषा में इस पक्षी को 'खरमोर' के नाम से जाना जाता है, जो मोर के मूल शब्द 'मोर' से नकिला है।
- यह लुप्तप्राय पक्षी राजस्थान, मध्य प्रदेश और गुजरात में पाया जाता है।
- संरक्षण की स्थिति:
 - अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ की रेड लिस्ट: संकटग्रस्त
 - वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972: अनुसूची-1
 - वन्यजीवों एवं वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन (CITES): परशिष्ट ॥

<https://www.youtube.com/watch?v=ggavPiG5ccQ>